हरियाणा विधान सभा

की

कार्यवाही

12 जनवरी, 1976

खण्ड, अंक 1

अधिकृत विवरण

विषय–सूची

सोमवार, 12 जनवरी, 1976

पृष्ठ

संख्या

सदन की मेज पर रखा गया– राज्यपाल का अभिभाषण

(1) 1

अध्यक्ष द्वारा घोषणाएं –

(i) सभापतियों की तालिका.

(1) 13

(ii) याचिका समिति

(1) 13

अनुपस्थिति की अनुमति

(1) 13

सचिव द्वारा घोषणा (1)

1

शोक प्रस्ताव (1)

15

सदन के मेज पर रखे गए कागज–पत्र

(1) 21

सदन के मेज पर पुन रखे गए–कागज–पत्र

(1) 22

हरियाणा विधान सभा

सोमवार, 12 जनवरी, 1976

विधान सभा की बैठक, हरियाणा विधान सभा हाल, विधान भवन, सेक्टर– 1, चन्डीगढ, में 15.30 बजे हुई । अध्यक्ष (चौधरी सरूप सिंह) ने अध्यक्षता की ।

राज्यपाल का अभिभाषण

(सदन की मेज पर रखी गई प्रति)

Mr. Speaker : In pursuance of Rule 18 of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I have to report that the Governor was pleased to address the Haryana Legislative Assembly on the 12th January, 1976, at 2.00 p.m. under Article 176(1) of the Constitution.

A copy of the Address is laid on the Table of the House.(Thumping)

''मित्रो

मैं हरियाणा विधान सभा के इस वर्ष के प्रथम सउ के अवसर पर आप लोगों का बड़े हर्ष के साथ स्वागत करता हुं और नए वर्ष की शुभ कामनाओं के साथ–साथ उस महत्वपूर्ण कार्य की, जिसे आप आरम्भ करने वाले हैं, सफलता की कामना करता हूं ।

मुझे इसमें कोई सन्देह नहीं कि श्री बंसी लाल के संघीय मन्त्रिमण्डल में रक्षा मन्त्री बनकर चले जाने से इस सदन के सदस्य और हरियाणा के लोग उनका, उनके उच्च नेतृत्व, प्रशासनिक कुशलता, लोगों की समस्याओं के सहज परिबोध, विलम्ब के लिए असहिष्णुता और सदन में तथा सदन से बाहर उनकी परिहासशीलता का अभाव अनुभव करेंगे । जब 1968 में श्री बंसी लाल ने मुख्य मन्त्री का पद सम्भाला, तब हरियाणा पूर्णतः अविकसित राज्य था और छल–कपट तथा सिद्धान्तहीन राजनीति का शिकार था । श्री बंसी लाल हरियाणा के लोगों की मूल समस्याओं को समझ सके थे । उनमें इन समस्याओं का समाधान प्रस्तुत करने की, योजना बनाने की दूरदर्शिता और इन योजनाओं को इतनी तेजी से क्रियान्वित करने का साहस था कि अब हरियाणा एक गतिशील राज्य के रूप में प्रसिद्ध हो गया है, जहां योजनाएं बनती हैं और कार्यरूप में परिणत हो जाती हैं । राज्य में शत– प्रतिशत विद्युतीकरण, दो–तिहाई गांवों को पक्की सडकों से जोड़ना, सदा से ही खाद्यान्न की कमी वाले राज्य को अन्न का भण्डार बनाना, उठान–सिंचाई स्कीमों द्वारा सुखे क्षेत्रोमें (जहाँ साधारण नहरी सिंचाई सम्भव नहीं थी) पानी. ले जाना उन महान कार्यों में से कुछ कार्य हैं, जोकि जनता के प्रति अगाध सहानुभूति तथा लगाव रखने वाले व्यक्ति के चातुर्य, उत्सर्ग तथा व्यावहारिक ज्ञान की स्थायी यादगार बने रहेंगे । राष्ट्र के सभी क्षेत्रे में हरियाणा स्पर्धापूर्ण चर्चा का विषय बन गया है और उसने एक ऐसा आदर्श प्रस्तुत किया है जोकि अन्य राज्यों के लिए

अनुकरणीय हूँ । हरियाणा राज्य, हम सभी और निस्संदेह भावी पीढ़ियां भी उस व्यक्ति के प्रति सदैव कृतज्ञ रहेंगी, जिसने हरियाणा को देश भर के सर्वाधिक प्रगतिशील और सुशासित राज्यों में स्थान दिलवाने के लिए मैदान तैयार किया । श्री बंसी लाल का संघीय मन्त्रिमण्डल में रक्षा मन्त्री बन जाना हरियाणा के लोगों के लिए गर्व का विषय है और मुझे लेशमात्र भी सन्देह नहीं कि राष्ट्रीय क्षितिज पर भी उनके व्यक्तित्व की अमिट छाप अनुभव होती रहेगी । हम यह भी आशा करते हैं कि वे इस राज्य के विकास में व्यक्तिगत रुचि लेते रहेंगे ।

जैसा कि आपको विदित है, इस वित्त वर्ष के प्रथम कुछ मासों में वित्तीय कठिनाई रही है । राष्ट्रीय अर्थ–व्यवस्था के सम्मुख– संभाव्य मुद्रा–स्फीति के संकट के सा थ–साथ कुछ अन्य ऐसी घटनाएं भी आयीं, जिनके कारण विभिन्न आर्थिक तथा विकासात्मक क्षेत्रो में रुकावट हुई । तथापि, आपात्–स्थिति के लाभ समस्त राष्ट्र के सम्मुख स्पष्ट एवं प्रत्यक्ष हैं । तस्करी, जमाखोरी जैसे समाज–विरोधी तत्वों और राष्ट्र की अखण्डता को नष्ट–भ्रष्ट करने का प्रयत्न करने वाले व्यक्तियों के प्रति कठोर कार्यवाही की गई हूँ । अब आचार और विचार सम्बन्धी अनुशासन तथा ईमानदारी और न्याय को प्रोत्सादुन दिया जा रहा है । इस अनुशासनपूर्ण वातावरण में अपराधों की संख्या कम हो गई है, उत्पादन बढ़ गया है और प्रधान मन्त्री द्वारा राष्ट्र के सम्मुख प्रस्तुत किया गया 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम दलित वर्ग के लिए

प्रगतिशील युग का सूत्रपात कर रहा तै । मुझे हर्ष है कि यह वर्ष सुखमय बीत रहा है और वास्तविक कल्याणकारी राज्य के लतंय में बाधा प्रस्तुत करने वाली समस्याओं का सामना करने के लिए राष्ट्र ने नवीन साहस, उत्साह एवं विश्वास का उपार्जन किया है और अपने विचार एवं व्यवहार में सामंजस्य स्थापित किया है ।

राज्य सरकार ने प्रधान मन्त्री द्वारा घोषित आर्थिक कार्यक्रम कर कार्यान्विति के लिए साहसपूर्ण पग उठाए हैं । मुझे यह बताते हर' हर्ष हो रहा है कि आर्थिक क न्याय और सामाजिक समानता की धारणा को आगे बढ़ाने के सम्बन्ध में सराहनीय प्रगति हुई है । मैं इस सम्बन्ध में कतिपय प्रमुख उपलब्धियों का संक्षिप्त वर्णन करना चाहूगा । प्रशासन द्वारा की गई नियामक कार्यवाहियों और लोक वितरण प्रणली में सुधार लाने को श्रेय हे कि इस अवधि के दौरान अनिवार्य वस्तुओं के मूल्यों को रोके रखने में सफलता प्राप्त हुई है और कुछ वस्तुओं के मुल्यो में तो गिरावट भी आई हूँ । आपात्–स्थिति के पश्चात् खाद्यान्न, दाल और वनस्पति घी के भावों में पर्याप्त गिरावट आई हूँ । सरसों का तेल और शुल्क रहित चीनी के भावों में भी मन्दी का रख है । ग्रामीण क्षेत्रों में अनुसूचित जातियों और पिछड़े वर्गीं के भूमिहीन व्यक्तियों को 1,48,859 मकान बनाने के लिए स्थान दिए जा चुके हैं । यह संख्या मकान प्राप्ति के लिए पात्र व्यक्तियों का 82 प्रतिशत है । इस कार्य को पूर्ण करने के प्रयास किए जा रहे हैं । हरियाणा में बेगार की समस्या विद्यमान नहीं है, किन्तु कमजोर वर्गों को

कर्जदारी से राहत देने के लिए एक नए कानून, नामतरू हरियाणा कृषि कर्जदारी राहत अधिनियम, 1975, द्वारा कर्जों की वसूली से सम्बन्धित मुकदमों पर रोक लगा दी गई है । इस कानून के अन्तर्गत कर्जों से सम्बन्धित नए मुकद्दमें दायर करना तथा निलम्बित मुकद्दमों की सुनवाई करना एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया गया है और सरकार इस अवधि को समय–समय पर, जो कुल मिलाकर दो वर्ष तक होगी, बढ़ा सकती है । सरकार का यह भी प्रस्ताव है कि कमजोर वर्गों द्वारा लिए गए कर्जो के निराकरण और उन्हें कम करने के अभिप्राय से शीघ्र ही एक कानून बनाया जाए । छोटे और सीमान्त किसानों, भूमिहीन मजदूरों और ग्रामीण कारीगरों के लिए सांस्थानिक ऋण की व्यवस्था की जा रही है । सहकारी बैकों ने भारतीय रिजर्व बैक द्वारा छोटे और सीमान्त किसानों के लिए निर्धारित 20 प्रतिशत की न्यूनतम प्रतिशतता पहले ही प्राप्त कर ली है । 'भिवानी में एक क्षेत्रीय ग्रामीण बैक की स्थापना की गई है और वहाँ पर कृषक सेवा समिति ने कार्य आरम्भ कर दिया है । अधिक से अधिक देहाती लोग ओं को कण देने के लिए 2,000 बड़ी बहूद्देशीय समितियों की स्थापना करने का विचार है ताकि सह– कारिता को सुदृढ़' एवं परिष्कृत किया जा सके । प्रधान मन्त्री के आर्थिक कार्यक्म की घोषणा के पश्चात् हरियाणा में 11 व्यवसायों के सिलसिले में मजदूरी की न्यूनतम दरें बढ़ा दी गई हैं । मजदूरी की इन न्यूनतम दरों को उपभोक्ता–मूल्य–सूचकांक के साथ जोड़ दिया गया है और प्रत्येक छः मास के पश्चात् इन्हें तदनुरूप घटा–बढा दिया जाता है ।

अकुशल कामगारों की मजदूरी की न्युनतम दर सामान्यतः 140 रुपए से 175 रुपए प्रतिमास नियत की गई है जबकि पहले यह 82 रुपए से 115 रुपए प्रतिमास हुआ करती थी । भूगत जल–खोतों को काम में लाने के विचार से 26 करोड़ रुपए की लागत से 23,457 उथले नलकूप लगाने की स्कीम का अनुमोदन किया जा चुका तै । यह कार्य 1 अप्रैल 1975 से चालू होकर तीन वर्षों मैं पुरा होगा । इस स्कीम के अन्तर्गत 2,812 काश्तकारों को पहले ही ऋण दिए जा चुके हैं और 1975– 76 में 6,000 काश्तकारों को कण देने का लक्ष्य है । इसके अतिरिक्त, 200 गहरे नलकूपों और आवर्धन नलकूपों की खुदाई की आठ स्कीमें कृषि पुनर्वित निगम के अनुमोदन के लिए भेज दी गई है । 21.53 लाख रुपए की लागत से 165 छिड़काव सिंचाई सैट लगाने की स्कीम स्वीकृत हो चुकी है और एक अलग स्कीम के अन्तर्गत लगाए जा रहे 31 छिड़काव सैटों के अतिरिक्त 151 छिड़काव सैटों के लिए कर्जे पहले ही स्वीकृत किए जा चुके हैं । चालू वित्त वर्ष के दौरान पानी की कमी वाले क्षेत्रो के 50 गांवों में पेय जल सम्बन्धी सुविधा की व्यवस्था की जानी है । इन में से 18 गांवों में ऐसी व्यवस्था पहले से ही की जा चुकी है और इस प्रकार कमी वाले क्षेत्रो में पेय जल की सुविधा वाले गांवों की संख्या अब 773 हो गई है । हथकरघा उद्योग के विकास तथा बुनकरों को सामग्री सप्लाई करने के लिए नारनौल और नूह में दो प्रशिक्षण केन्द्र चालू किए गए हैं । 10 लाख रुपए की लागत से ऐसे 20 अन्य केन्द्र खोलने की स्कीम स्वीकृत की जा चुकी है । प्रधान मन्त्री द्वारा घोषित आर्थिक

कार्यक्रम के अन्तर्गत विद्यार्थियो के लिए उचित दामों पर पाठ्य पुस्तकों और लेखन–सामग्री की व्यवस्था करने का भी प्रस्ताव है । हरियाणा राज्य में आठवीं कक्षा तक की पाठ्य पुस्तकें राष्ट्रीयकृत की जा चुकी हैं और ये नियत मुल्यों पर बेची जा रही हें । अन्य श्रेणियों के लिए भी पाठ च पुस्तकें और लेखन–सामग्री नियत रियायती मूल्यों पर सप्लाई की जा रही हैं । इसके अतिरिक्त छात्रावास में रहने वाले विद्याथियों को अनिवार्य वस्तुएं सस्ते दामों पर वितरित की जा रही हैं । विश्वविद्यालयों और महाविद्यालयो के विद्यार्थियों के निमित्त पुस्तक बैक खोलने के लिए 5,74,500 रुपए और राजकीय स्कूलों के लिए 5 लाख रुपए स्वीकृत किए गए हैं । विभिन्न संस्था ओं में 3,000 प्र शिक्षु नियुक्त करने का लक्षय प्राप्त हो चुका है और समाज के कमजोर वर्गों में से भी प्रशिक्षु नियुक्त करने पर बल दिया जा रहा है । बिजली के उत्पादन के क्षेत्र में फरीदाबाद और पानीपत में ताप बिजली उत्पादन की नई स्कीमों को शी ध पूरा करने के लिए कार्यवाही की. ज रही है । राज्य बिजली बोर्ड के कार्य–संचालन को सुचारू रूप देने के लिए भिवानी और यमुनानगर में छोटे बिजली–घरों की स्थापना की गई है और ये नए बिजलीघर अब चालू हो गए हैं । इसके अतिरिक्त नारनौल, महेन्द्रगढ, करनाल, निसिंग, रिवाड़ी और मुस्तफा बाद में न ये छोटे बिजली–घरों की स्थापना का काम ते जी से च ल रहा है । तन्त्र–क्षति के कम करने के लिए 6,808 मोटरों पर एल 0 टी0 संधारित लगाए गए हैं और यह कार्य जा री रहेगा । कृषि सुधार के क्षेत्र में, पंजाब और हरियाणा उच्च न्यायालय के निर्णय

को ध्यान में रखते हुए 'हरियाणा लैड सीलिंग एक्ट' में संशोधन किया जा रहा है और फालतू क्षेत्र का पता लगाने और इसे से पाव व्यक्तियों को अलाट करने के सम्बन्ध में शीघ्र ही कार्यवाही की जाएगी ।

राज्य सरकार आयोजनागत स्कीमों में से ऐसी सिंचाई स्कीमों को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है, जिनका उद्देश्य जल स्त्रोतों को प्रयोग में लाना और विशेषतः राज्य के सूखाग्रस्त क्षेत्रो में सिंचाई सम्बन्धी सुविधाओं का विस्तार करना हूँ । वर्ष 1975 –76 के दौरान नई सिंचाई स्कीमों पर कुल 1785 लाख रुपए खर्च होने की आ शा है, जब वर्ष 1966– 67 के दौरान इन पर 134 लाख रुपए खर्च हुए थे । भाखडा जलाशय से सप्लाई की सन्तोष– जनक स्थिति तथा राज्य की विभिन्न सिंचाई स्कीमों के पूरे हो जा ने से 41 लाख एकड से भी अधिक क्षेत्र नहरों द्वारा सींचे जाने की सम्भावना है, जबकि वर्ष 1966– 67 में 32.75 लाख एकड़ क्षेत्र सींचा गया था । जुई उठान सिचाई स्कीम को बारहमसिया बनाने के उपरान्त बीरेन्द्र नारायण चक्रवर्ती उठान–सिंचाई स्कीम भी हाल ही में जल सप्लाई की आधी क्षमता तक बारहमासिया बना दी गई है । जवाहरलाल नेहरू उठ सिंचाई स्कीम पर कार्य पूरे जोरों से चल रहा है तथा राज्य सरकार इस स्कीम को शीघ्र पूरा करने का यथासम्भव प्रयत्न करेगी ताकि अतिरिक्त क्षेत्र में सिंचाई हो सके । रावी ब्यास के फालतू पानी में से हरियाणा का हिस्सा मिलने पर सभी उठान–सिंचाई स्कीमें

बारह–मासिया बना दी जाएगी । जल–खोतों के संरक्षण तथा सेम और लवणता की रोकथाम के लिए पूर्ववर्ती तथा नई नहरों को धीरे–धीरे पक्का जा रहा है ताकि रिसन से होने वाली जल–हानि को रोका जा सके । हरियाणा लघु सिंचाई (नलकूप) निगम ने भी बड़े पैमाने पर जल– मार्गों को पक्का करने का कार्य आरम्भ कर दिया है और जून, 1976 के अन्त तक कुल 877 जल–मार्गों को मुकम्मिल कर लिए जाने का प्रस्ताव है, जिसके परिणामस्वरूप कुल 2.10 लाख एकड़ फुट पानी की बचत हो सकेगी । निगम द्वारा भूमिगत जल के अन्वेषण का कार्य व्यवस्थित एवं वैज्ञानिक रीति से किया जा रहा. है और ताजा जल के 1 7,000 वर्ग किलोमीटर क्षेर को चिह्नित किया जा चुका है जबकि वर्ष 1967–68 में केवल 3,000 वर्ग किलोमीटर क्षेर को चिह्नित किया गया था । जल–मार्गों को पक्का करने और गहरे नलकूप खोदने के अतिरिक्त निगम ने सरकारी क्षेत्र में 10 क्यूसेक से 150 क्यूसेक की भारी क्षमता वाले अक्षीय तोड़ उठान–सिंचाई पम्प बनाने आरंभ कर दिये हैं । निगम जुनु, 1976 तक राज्य की विभिन्न उठान–सिंचाई स्कीमों को ऐसे 72 पम्प सप्लाई कर चुकेगा ।

कृषि–उत्पादन बढ़ाने के निमित्त सिचाई सुविधाओं का विस्तार करने में विद्युत् शक्ति का महत्वपूर्ण योगदान रहा है और सन्तोष की बात है कि जून, 1975 के बाद सप्लाई की स्थिति में निश्चित रूप से सुधार हुआ है । पिछली खरीफ फसल के अवसर पर और हाल ही में रबी की बुवाई के समय भी सिंचाई के लिए

बिजली की पर्याप्त सप्लाई करना सम्भव हो सका था । भाखड़ा प्रणाली द्वारा बिजली के अधिक उत्पादन तथा फरीदाबाद में 60 मैगावाट का ताप बिजली–घर नवम्बर, 1974 में चालू किए जाने के कारण ही वर्तमान सन्तोषजनक स्थिति सम्भव हो सकी है । इतनी ही क्षमता वाला एक और ताप बिजली–घर फरीदाबाद में पूरा होने वाला है । अप्रैल, 1976 में इस बिजली–घर के चालू हो जाने की सम्भावना है । फरीदाबाद में 60 मैगावाट का तीसरा बिजली–घर भी बनाने की योजना है । पानीपत ताप बिजली–घर में 1 1 0– 1 10 मैगावाट की दो ताप बिजली यूनिटें होंगी । इस परियोजना के सम्बन्ध में कार्य चल रहा है कौर इस बात की सम्भावना है कि पहली यूनिट 1977– 78 में तथा दूसरी 1978– 79 में चालू हो जाएगी ।

कृषि के महत्व को समझते हुए राज्य सरकार इस ओर विशेष ध्यान दे रही है । यह अत्यन्त सन्तोष की बात है कि खरीफ 1975 में कृषि–उत्पादन पर्याप्त अधिक रहा है और रबी 1976 में भी पर्याप्त अधिक उत्पादन होने की आशा की जाती है । कृषि–उत्पादन में यह वृद्धि कृषकों को जुटाई जाने वाली सेवाओं के विस्तार, बिजली की अधिक सप्लाई तथा अनुकूल जलवायु के कारण ही सम्भव हुई है । व्यापक कार्यक्रम चल रहा है । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत क्षेत्रीय अमले और किसानों को कृषि के आधुनिक तरीकों का प्रशिक्षण, जन–सम्पर्क कार्यक्रम तथा किसानों के खेतों में ही निदर्शन एवं प्रशिक्षण देने का कार्यक्रम शामिल है

। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय किसानों को कृषि के उन्नत तरीकों की शिक्षा देने का महत्वपूर्ण काम करता रहा है और इसने सारे जिलों में कृषि ज्ञान–केन्द्र खोल दिए हैं । कृषि के विद्यार्थियों के लिए नया प्रायोगिक फसल उत्पादन पाठयक्रम चालू किया गया है । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत होने वाले उत्पादन में उनका भी हिस्सा होता है । 1975– 76 के दौरान ग्राम चयन परियोजना नामक एक अन्य कार्य–रुम भी चालू किया गया है । इस कार्यक्रम के अन्तर्गत विश्वविद्यालय ने प्रत्येक जिले से पांच–पांच गांव चुन लिए हैं ।

खरीफ 1975 और रबी 1976 के धान्य के उत्पादन का लकय क्रमश 14.50 लाख मीटरी टन और 32. 10 लाख मीटरी टन नियत किया गया था । सम्भावना हूँ कि राज्य इस लदय को पूरा कर लेगा । वर्ष 1975– 76 के दौरान नकद फसलों में 7,12,000 मीटरी टन गुड़ के अनुरूप गन्ना उगाने का लक्ष्य नियत किया गया है और यह लध्य प्राप्त किए जाने की सम्भावना है । तिलहन की फसल पर्याप्त अच्छी होने की आशा है और कपास का उत्पादन चार लाख गाँठें होने की सम्भावना है । वर्ष 1976– 77 के लिए खाद्यान्नों का उत्पादन लक्ष्य 49.25 लाख मीटरी टन नियत किया गया है जबकि गन्ने का लक्षय 7. 50 लाख मीटरी टन, गुड़ और तिलहन का लक्ष्श 1.20 लाख मीटरी टन नियत किया गया है । कपास का लश्य 4.50 लाख गांठें है । आगामी खरीफ फसल के दौरान चावल की फसल के लिए क्षेत्र और उत्पादन बढ़ाने तथा

रोग प्रतिरोधी नए संकर बीजों द्वारा बाजरे की प्रति हैक्टेयर उपज बढ़ाने पर जोर दिया जाएगा । हरियाणा बीज निगम मूल बीजों के उत्पादन और वितरण द्वारा कृषि वर्ग की सेवा कर रहा है । रासायनिक उर्वरकों की खपत भी बढ़ती जा रही है । फासफोरस उर्वरकों की खपत को बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने 62.50 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी है । सरकार स्थानीय खाद स्रोतों का उपयोग करने के लिए भी उत्सुक है और इन प्रयत्नों के परिणामस्वरूप शहरी और ग्रामीण कूड़ा खाद के संरक्षण में पिछले वर्षों की अपेक्षा पर्याप्त वृद्धि हुई है । राज्य सरकार ने गोबर गैस संयन्त्रों को लोकप्रिय बनाने का विशेष प्रयत्न किया है और आपको यह जान कर हर्ष होगा कि वर्ष 1974– 75 में अधिकतम गोबर गैस सयंत्र लगाकर हरियाणा ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

विश्व बैंक ने हाल ही में लगभग 9 करोड़ रुपए की लागत से समेकित कपास विकास परियोजना संस्वीकृत की है, जो राज्य के सिरसा और हिसार जिलों में क्रियान्वित की जाएगी । इस परियोजना का उद्देश्य 320 एफ किस्म की कपास की उपज को बढ़ाने का है । इस परियोजना की प्रमुख विशेषताए ये हैं कपास का बीज तैयार करने के सम्बन्ध में अनुसन्धानकार्य को आगे बढ़ाने के लिए हरियाण। कृषि विश्वविद्यालय को पर्याप्त. वित्तीय सहायता प्रदान करना, प्रमाणीकृत बीज का उत्पादन और वितरण, विस्तार– मशीनरी को सुदृढ़ करना और दो अतिरिक्त बेलनों तथा आयातित

मशीनरी वाला आधु– निक बिनोला–पीडक सयंत्र लगाना । वर्तमान गैर सरकारी बेलन मिलों को आधुनिक बनाने के निमित्त अपेक्षित उपस्कर आयात करने के लिए परियोजना के अन्तर्गत सहायता भी दी जाएगी । यह परियोजना पुरोगामी है और इसके अनुभवों को ध्यान में रखकर इस परि– योजना को राज्य के अन्य क्षेत्रो में चालू किया जाएगा । विश्व बैके, कृषि पुनर्वित्त निगम और वाणिज्यिक बैकों से धन लेकर कृषि–क्षेत्र में विभिन्न कार्यक्रम चलाए जा रहे हैं । किसानों को उथले लघु सिंचाई यूनिटों, छिडकाव सिंचाई, जल–प्रबन्ध, भूमि–विकास, भूमि–सुधार और कृषि उपस्करों के लिए लगभग 21.85 करोड़ रुपए का कण दिए जाने की सम्भावना है । 1975– 76 के दौरान उथले लघु सिंचाई यूनिटों की संख्या 2,03, 000 यूनिट और 1976– 77 में यह संख्या 2,15, 000 यूनिट हो जाने की सम्भावना है । वर्ष 1976– 77 के दौरान, छिड़काव सिंचाई सैट लगाने, भूमि समतल करने और क्षार एवं लवण युक्त भूमि को सुधारने के कार्यक्रम को भी आगे बढ़ा दिया जाएगा । मिट्टी और जल की व्यवस्था के लिए 23,000 हैक्टेयर का लक्षय नियत किया गया है जबकि 1975– 76 में केवल 18, 000 हैक्टेयर में इस प्रकार की व्यवस्था किए जाने की सम्भावना है । हरियाणा कृषि उद्योग निगम ने मुर्थल में एक खाद्य विधायन यूनिट स्थापित किया है और उसके द्वारा तैयार किया गया फलों का रस बाजार में बिक्री के निमित्त आ चुका है । इस समय निगम भिवानी में एक पशु चारा सयंत्र और शाहबाद में एक कीटनाशी एवं नाशिकीटमार सयंत्र लगा रहा है । जींद और

रोहतक में छोटे किसान विकास एजेंसी और सीमान्त किसान कृषि मजदूर नामक दो नई एजेंसियां बनाई गई हैं और भारत सरकार ने 1975– 76 के दौरान महेन्द्रगढ और भिवानी में सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थापित की जाने वाली दो एजेंसियों के लिए अपने हिस्से के 58 लाख रुपए देना स्वीकार कर लिया है ।

इन सब उपायों का परिणाम यह हुआ कि हरियाणा जो कभी खाद्यान्न की कमी वाला राज्य था, आज केन्द्रीय पूल में अधिक मावा में गेहूं और चावल देने वालों में से एक है । वर्ष 1975– 76 में हरियाणा द्वारा केन्द्रीय पूल को 4. 35 लाख मीटरी टन गेहूं दिया जाना प्रत्याशित है । इस वर्ष भारत सरकार द्रारा निर्धारित किए गए 3 लाख मीटरी टन के लक्षय के मुकाबले में 4.5 लाख मीटरी टन से अधिक चावल अधिप्राप्त करने की सम्भावना है ।

जहां तक चिकित्सा क्षेत्र का सम्बन्ध है, इस वर्ष निकटवर्ती देहातों के लिए परामर्शी सेवाओं की व्यवस्था करने के निमित्त गुडगाव, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, जींद और नरवाना में 5 हस्पतालों के भवन मुकम्मिल किए गए तथा रिवाड़ी, भिवानी एवं खेलकूद विद्यालय, राई के अन्य तीन हस्पतालों के भवन तैयार हो रहे है । न्यूनतम आवश्यकता कार्यक्रम के अधीन चालू वर्ष में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों के निर्माण के लिए 28.50 लाख रुपए की राशि का दे उपबन्ध किया गया है । और इसी सम्बन्ध में आगामी वर्ष 50 लाख रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है । इसी प्रकार, चालू

वर्ष में 9 नई ऐलोपैथिक डिस्पैसंरियां स्वीकृत की गई हैं, तथा वर्ष 1976– 77 के दौरान ऐसी अन्य दस डिस्पैसंरियां तथा 33 उप–केन्द्र खोलने का प्रस्ताव है । भिवानी में जिला यक्ष्मा केन्द्र खोला गया है । मैडिकल कालेज, रोहतक में अधिक से अधिक चिकित्सा–सुविधाएं बढ़ाने का कार्यक्रम जारी रहा । विकलांग कर्मशाला और पादाघात रोगी–पुनर्वास केन्द्र के कवन. तथा आप्रेशन थिएटरों के वातानुकूलन का काम मुकम्मिल हो चुका है । केन्द्रीय विसंक्रमण, ग्लूकोस निर्माण संयत, स्नातकोत्तर प्रयोगशाला और रेडियो चिकित्सा के भवन बनाये जा रहे हैं । वर्ष 1974– 75 के दौरान नवीनतम एवं परिष्कृत उपकरण खरीद लिए गए थे और चालू वर्ष के दौरान इस प्रकार के उपकरणो की खरीद पर 23 लाख रुपए को राशि खर्च किए जाने की सम्भावना है ।

परिवार–नियोजन के क्षेत्र में भी राज्य की उपलब्धियां उत्साहवर्द्धक रही हैं । वर्ष 1 974– 75 में 3 8, 600 नसबन्दी और नलबन्दी ऑप्रेशन किए जाने का लक्षय था । इस अवधि के दौरान 62, 1 12 नसबन्दी और नलबन्दी ऑप्रेशन किए गए । यह संख्या निर्धारित लक्षय से 160. 9 प्रतिशत अधिक थी । हरियाणा के प्रत्येक पांच पाव दम्पतियों में से एक का नसबन्दी या नलबन्दी ऑप्रेशन किया गया हूँ और पाव दम्पतियों को परिवार–नियोजन की प्रेरणा देने में राज्य देश–भर में सर्वप्रथम रहा है ।

शिक्षा के क्षेत्र में इस वर्ष की एक उल्लेखनीय घटना है––रोहतक में विश्वविद्यालय की संस्थापना का निर्णय । यह

विश्वविद्यालय अपनी किस्म का एक हूँ जहाँ जीवन–सत्ता संबंधी विज्ञान और परस्पर समानता रखने वाले विषयों के अध्यापन पर बल दिया जाएगा ।

गत वर्ष अनुसूचित जातियों के 6–11 आयु–वर्ग के बच्चों को, उनके वान्छित स्थान एवं समय पर अनौपचारिक शिक्षा देने के प्रयोग के रूप में एक परियोजना चालू की गई थी । यह परियोजना सफल सिद्ध हुई है । भिवानी तथा जींद के जिलों में 15– 25 आयु–वर्ग के ऐसे युवकों को जो विद्यार्थी नहीं हैं, अनौपचारिक शिक्षा देने का कार्यक्रम भी आरम्भ किया गया है । यह भी निर्णय किया गया है कि दिल्ली से 100 किलोमीटर के घेरे में आने वाले सभी स्कूल अपनी निधि से टी 0 वी 0 सैट खरीदें, ताकि टी ० बी० के शिक्षा सम्बन्धी कार्य–क्रम से लाभ उठाया जा सके ।

राई में मोती लाल नेहरू खेलकूद स्कूल खोलना राज्य सरकार के लिए यथोचित गर्व का विषय है । इस स्कूल ने शिक्षा–क्षेत्र में बहुत शीघ्र ही ठोस उपलब्धियों. के लिए मान्यता प्राप्त कर ली है । इस स्कूल में बच्चे को प्रवेश उसकी योग्यता के आधार पर दिया जाता है न कि माता–पिता की सामाजिक स्थिति के आधार पर । परिणामतः राज्य के पिछडे क्षेत्रो के तथा निर्धन मातापिता के बहुत से बच्चे स्कूल में प्रवेश पा सके हैं । यह संस्था पब्लिक स्कुल शिक्षा– पद्धति के परिचित दोषों से मुक्त रहते हुत् हरियाणा में लड़के–लड़कियों को राष्ट्रीय स्तर पर जीवन के

प्रत्येक क्षेत्र में सफलतापूर्वक मुकाबला करने और ख्याति प्राप्त करने के अवसर प्रदान करेगी ।

औद्योगिक विकास के क्षैत्र में चाहे ऋण की कमी हुई अथवा मांग गिरने से व्यापारिक मन्दी की समस्या सामने आई, फिर भी इस दिशा में प्रगति निरन्तर होती रही । राज्य के पिछड़े क्षेत्रे की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा है । राज्य के पिछड़े क्षेत्रो की औद्योगिक यूनिटों को उनके पूंजीगत निवेश का 15 प्रतिशत आर्थिक सहायता के रूप में देने. की केन्द्रीय सरकार की स्कीम क्रियान्वित की जा रही है तथा राज्य में ऐसी 45 औद्योगिक यूनिटों के लिए आर्थिक सहायता के रूप में 21.25 लाख रुपए स्वीकृत किए जा चुके हैं । हरियाणा वित्त निगम ने भी अपने अद्यतन निवेश का 28 प्रतिशत भाग राज्य के पिछड़े क्षेत्रों में लगाया हूँ । चालू वर्ष के दौरान संयुक्त सैक्टर की .दो परियोजनाओं––हरियाणा पालीस्टील लिमिटेड, हिसार तथा हरियाणा टेलीविजन, फरीदाबाद ने उत्पादन आरम्भ कर दिया है । हरियाणा राज्य औद्योगिक विकास निगम शीशे की बोतलें, सिंथेटिक डिटरजेंट, कास्टिक सोडा तथा दस्ती औजार जैसी वस्तुएँ तैयार करने के लिए अनेक परियोजनाएं भी आरम्भ कर रहा है और इन परियोजनाओं की कार्यान्विति की अवस्थाए भिन्न–भिन्न हैं । राष्ट्रीय रासायनिक उर्वरक लिमिटेड पानीपत के स्थान पर एक रासायनिक उर्वरक परियोजना की स्थापना कर रही है तथा भारत सरकार ने प्रति वर्ष 24,000 स्कूटर बनाने की औद्योगिक

परियोजना के लिए लाइसेंस दे दिया है । इस परियोजना की स्थापना मुर्थल के स्थान पर किए जाने का प्रस्ताव है । व्यापार विकास प्राधिकरण के सहयोग से हरियाणा राज्य लधु उद्योग तथा निर्यात निगम सिले–सिलाए वस्त्र तैयार करने के लिए गुड़गांव जिले में एक निर्यात विधायन जौन की स्थापना कर रहा है । औद्योगिक वस्तुओं के निर्यात में पर्याप्तवृद्धि हुई है । 1967– 68 में 4.5 करोड़ रुपए के मूल्य का औद्योगिक सामान बाहर भेजा गया था । 1974– 75 में 33 करोड़ रुपए से अधिक का माल विदेशों को भेजा गया है ।

वर्ष 1975 के दौरान कोई श्रमिक–समस्या पैदा नहीं हुई । प्रधान मन्त्री द्वारा घोषित 20 सूत्रीय कार्यक्रम के अनुसार सरकार उद्योग–क्षेत्र में ऐसी स्कीम क्रियान्वित करने. के लिए कार्यवाही कर रही है, जिसमे कामगार माल तैयार करने और उसे बेचने की प्रक्रिया में हिस्सा लेंगे । कुछ फैक्ट्रियों में ऐसी परिषदें बनाई जा चुकी हैं जिनमें श्रमिकों तथा कर्म– चारियों के प्रतिनिधि शामिल हैं । राज्य की सभी पाव औद्योगिक युनिटों में ऐसी परिषदें बनाने का प्रस्ताव है । श्रम–कल्याण स्कीमों की ओर भी पर्याप्त ध्यान दिया गया है । हरियाणा में सहकारी समितियों ने स्वतः रोजगार जुटाने, कृषि–सामग्री तथा उपभोक्ता सामग्री के वितरण और तैयार माल के विपणन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है । सहकारी उपभोक्ता स्टोर अनिवार्य वस्तुओं के मूल्यों को कम करने में सहायक हुए हैं । हरियाणा राज्य सहकारी सप्लाई तथा विपणन संघ ने तरावडी में

एक दानेदार रासायनिक उर्वरक संयत, भिवानी में एक आधुनिक बेकरी, और चावल–शैलरों तथा मिलों की स्थापना की है और यह संघ अब हांसी में एक कताई मिल की स्थापना कर रहा है । 1976 के दौरान करनाल तथा सोनीपत में दो नई सहकारी खांड मिलों में कार्य आरम्भ हो जायेगा ।

राज्य सरकार ग्रामीण लोगों का– आर्थिक स्थिति सुधारने और उन्हें रोजगार खोजने में सहायता देने के लिए प्रयत्नशील रहेगी । सरकार कृषकों, कारीगरों और ग्रामीण श्रमिकों की ओर अधिकतम ध्यान देगी तथा उनकी अधिकतम सहायता करेगी । कृषक वर्ग को विभिन्न एजेंसियों, यथा छोटे किसान विकास एजेंसी, सीमान्त किसान कृषि मजदूर एजेंसी, सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम के अधीन पंजीकृत एजेंसियों और कृषि एवं सहकारिता विभागों के अधीन अन्य संस्थाओं और निगमों से प्राप्त होने वाली सहायता और बढ़ाई जाएगी । सहकारी उधार समितियों के कार्य–संचालन की पुनः व्यवस्था की जाएगी और प्रत्येक पटवार परिमण्डल में पूर्ण–कालिक सचिव नियुक्त कितु जाएंगे ताकि ये समितियां किसानों के लिए छोटे बैंकों का कार्य कर सकें । ग्रामीण कारीगरों की सहायता के लिए उद्योग और सहकारिता विभाग द्वारा दी जा रही तकनीकी और वित्तीय सहायता के अतिरिकत हथकरघा तथा दस्तकारी निगम की स्थापना की जा रही है । जाली श्रमिक निर्माण–कार्य सहकारी समितियों का उन्मूलन कर दिया जाएगा और सरकार द्वारा निर्माण–कार्यों का नियतन

करते समय वास्तविक समितियों को प्राथमिकता और प्रोत्साहन दिया जाएगा, ताकि ग्रामीण श्रमिक वर्ग को निरन्तर लाभकारी रोजगार प्राप्त हो सके ।

सभी बेरोजगार व्यक्तियों को वैतनिक रोजगार दिलाना किसी भी सरकार के लिए संभव नहीं है । अतः स्वतः रोजगार स्कीमों पर अधिक बल दिया गया है, और इसका परिणाम अत्यन्त उत्साहवर्द्धक रहा है । वर्ष 1974– 75 के दौरान संगठित सैक्टर में 1 7, 000 अतिरिक्त व्यक्तियों को रोजगार दिया गया । इस प्रकार 4. 8 प्रतिशत अधिक लोगों को रोजगार मिला ।

आर्थिक दृश्टि से पिछड़े हुए, सामाजिक दृश्टि से अव्यवस्थित और शारीरिक दृष्टि से अक्षम व्यक्तियों को राहत पहुंचाने से सम्बन्धित स्कीमों को पहले की भांति राज्य सरकार का संरक्षण प्राप्त हुआ तथा सहायता अनुदान देकर ऐच्छिक संगठनों को प्रोत्साहन दिया जाता रहा । जिला सोनीपत के कथूरा ब्लाक में प्रयोगात्मक आधार पर शिशु–विकास की संगठित सेवा स्कीम चालू की गई है । इस परियोजना का उद्देश्य स्कूल जाने की आयु से कम आयु के बच्चों, गर्भवती एवं स्तन्यदा माताओं तथा 15 से 44 आयु–वर्ग की महिलाओं को पैकेज सेवा (अनुपूरक पोषण, रोग प्रतिरक्षण, स्वास्थ्य जांच, परामर्शी सेवा, स्वास्थ्य एवं पोषण शिक्षा तथा अनौपचारिक पूर्व–स्कुल शिक्षा) प्रदान करता है ।

राज्य सरकार अनुसूचित जातियों, पिछडी श्रेणियों और विमुक्त जातियों के उन्नयन सम्बन्धी' कार्य को पहले की भांति ही उच्च प्राथमिकता देती रही है । वर्ष 1976– 77 में समाज के इस वर्ग के कल्याण की विभिन्न स्कीमों पर 132.83 लाख रुपए खर्च करने का प्रस्ताव है । वर्ष 1974– 75 में हरिजन विधवाओं को 20 रुपए मासिक वृत्तिका देकर सामुदायिक केन्द्रों में निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण देने की एक नई स्कीम चालू की गई है । पाठ्यक्रम पूरा होने पर प्रत्येक प्रशिक्षणार्थी कौ एक सिलाई मशीन दी जाती है ताकि वह अपनी आजीविका कमा सके । इस स्कीम के अन्तर्गत अब तक अनुसूचित जातियों की 153 विधवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है । यह स्कीम आगामी वर्ष भी चालू रहेगी ।

जहां तक गुह–निर्माण का सम्बन्ध हूँ, हरियाणा आवास बोर्ड चालु वर्ष के अन्त तक लगभग 1,955 मकान बना लेगा । हाल ही में पंचकूला, करनाल और अम्बाला में आवास कालोनियों का उद्घाटन' किया गया है । वर्ष 1976– 77 के दौरान लगभग 2000 मकान बनाने का कार्यक्रम है । सरकार द्वारा चालू वित्त वर्ष में निम्न आय वर्ग आवास स्कीम के माध्यम से 31.5 लाख रुपए की राशि दिए जाने की सम्भावना है ।

निधियों की कमी होते हुए भी सड्कों तथा पुलों के निर्माण की ओर यथोचित ध्यान दिया गया है । गत वित्त वर्ष के अन्त तक पक्की सड़कों की लम्बाई बढ़कर 14,280 किलोमीटर हो गई हे । इस वर्ष के दौरान 250 अन्य गांवों को पक्की सड़कों से

जोड़ने के लिए 500 किलोमीटर सड़के और पक्की की जाएगी । नई बनाई गई सड़कों के पार सिंचाई के निर्मित्त जल ले जाने और बाढ के पानी को निकालने की समस्या का समाधान करने के लिए पुलियों की व्यवस्था करने की ओर ध्यान दिया गया है । आशा की जाती है कि चालू वित्त वर्ष के दौरान 1, 500 पुलियां बना दी जाएंगी ।

लोगों की यातायात सम्बन्धी बढी हुई आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए संचार–साधनों का विस्तार किया गया है और उन्हें अधिक उपयोगी बनाया गया है । राज्य परिवहन प्रतिदिन लगभग 4 लाख किलोमीटर मार्ग तय करती है और प्रतिदिन 4. 42 लाख यात्री इन में याता करते हैं । नवम्बर, 1974 में 1,640 बसें चलती थीं । अक्तूबर, 1975 में यह संख्या बढ़कर 1,710 हो गई । आगामी वित्त वर्ष में इसे और बढ़ा दिया जाएगा । नई बसें पूरी तरह धातु की बनी हुई हैं, जो अपेक्षाकृत अधिक टिकाऊ हुआ करती हैं । कम फासले के यातायात की मांग को पूरा करने के लिए सिटी टाइप बढ़िया बसें भी चालू की गई हैं । सीधी यात्रा–सेवा की मांग की पूर्ति के निमित्त हिमाचल प्रदेश, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और दिल्ली के साथ समझौते किए गए हैं । 20 सूत्रीय कर्यक्रम की घोषणा के अनुसार राष्ट्रीय परमिट स्कीम भी शीघ्र ही लागू की जाएगी' ।

पशुपालन और डेरी विकास के क्षेत्र में करनाल, गुड़गांव, अम्बाला, कुरुक्षेत्र, भिवानी और जींद जिलों को व्यापक

पशु–विकास परियोजनाओं के अन्तर्गत लाया जा चुका है और हाल ही में बनाए गए जिला सिरसा के लिए भी ऐसी एक अन्य परियोजना बनाई जाएगी । दुनस्ली–कार्यक्रम को प्रोत्साहन देने के लिए हिसार में भारत–आस्ट्रेलियायी पशु प्रजनन परियोजना और गुड़गांव में हेमकृत वीर्य बैक चालू किया गया है । रोहतक में एक नया दुग्ध संयंत्र मुकम्मिल होने वाला है । यह दुग्ध संयत अब तक बनाए गए दुग्ध सयंत्रो मैं. सबसे. बड़ा होगा । हिसार और फरीदाबाद में भी दो दुग्ध सयंत्रो का निर्माण–कार्य पर्याप्त सीमा तक हो चुका है और आशा की जाती हूँ कि यह अगले वित्त वर्ष में सम्पूर्ण हो जाएगा । सूखाग्रस्त क्षेत्र कार्यक्रम के अधीन नारनौल में प्रति–दिन 15,000 लिटर क्षमता का प्रशीतन सयंत्र स्थापित किया जा रहा है ।

देश के पर्यटन–क्षेत्र में हरियाणा को गौरवपूर्ण स्थान प्राप्त है । चालू वर्ष में कुछ नवीन पर्यटक–सुविधाओं की व्यवस्था की गई । बड़खल झील मैं एक आधुनिक ढंग का तरणताल बनाया गया और सॉना स्टीम बाथ की व्यवस्था की गई हूँ । सूरज कुण्ड में एक सुसज्जित पर्यटक बंगले और शिविर स्थलों का उपबन्ध किया गया है । सूरज कुण्ड में गॉल्फ कोर्स और यादविन्द्र उद्यान, पिंजौर में जापानी उद्यान भी मुकम्मिल होने वाले हैं । पर्यटकों के आकर्षण केन्द्र के निमित्त रोहतक में शीघ्र ही रक झील, जल–सप्लाई व्यवस्था, पेट्रोल पम्प और तक रेस्तरां बनाया जाएगा ।

प्रजातांत्रिक प्रणाली में लोक–सम्पर्क विभाग का कार्य महत्वपूर्ण हुआ करता है क्योंकि सरकार की नीतियों एवं कार्यक्रमों से जनता को सतत परिचित रखना होता है । निःसन्देह सन्तोष का विषय है कि हरियाणा सरकार ने इस ओर सदा ही पर्याप्त ध्यान दिया है । प्रचार साहित्य के व्यापक प्रकाशन और वितरण के साथ–साथ प्रधान मन्त्री के 20 सूत्रीय आर्थिक कार्यक्रम कार्यान्वित करने के लिए विशेष अभियानों का आयोजन किया गया । फिल्म तथा टैलीविजन आदि साधनों का अधिक से अधिक एवं प्रभावोत्पादक प्रयोग किया गया है । सरकार की गतिविधियों से जनता को लगातार सूचित किया जाता रहा है ताकि जनता का सहयोग निश्चित रूप से प्राप्त हो सके ।

हमारे सैनिक अपने साहस और सामरिक योग्यताओं के लिए प्रसिद्ध हैं । उन्हें इस बात का विश्वास दिलाना आवश्यक है कि उन के हितों और कल्याण की उपेक्षा नहीं की जा रही है । मुझे इस बात की प्रसन्नता है कि हरियाणा सरकार उनके लिए बहुत कुछ कर रही है । लड़ाई में मारे गये या विकलांग सशस्त्र सैनिकों के परिवारों के लिए अनुग्रह–अनुदान और पेन्शनें स्वीकृत की जाती हैं । उनके बच्चों और आश्रितों से सरकारी शिक्षा–संस्थानों में कोई शुल्क नहीं लिया जाता । इसके अतिरिक्त उन्हें शैक्षणिक अनुदान दिए जाते हैं । वर्ष 1971 के युद्ध से अब तक सरकार अनुग्रह–अनुदान, पेन्शन और शैक्षणिक भत्तों के रूप में 39. 84 लाख रुपए दे चुकी है । वीरता–पदक प्राप्त करने वाले

सैनिकों को सरकार द्वारा नकद पुरस्कार एवं वार्षिकी भी प्रदान की जाती है । इसके अतिरिक्त सरकार परमवीर चक्र तथा महावीर चक्र विजेताओं को कृषि–भुमि या शहरी–सम्पत्ति खरीदने के लिए आर्थिक पुरस्कार भी प्रदान करती है । पिछले युद्ध के बाद से अब तक ऐसे नकद पुरस्कारों, वार्षिकियों और आर्थिक अनुदानों के रूप में 5.78 लाख रुपए खर्च किए जा चुके हैं । भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्वास के निमित्त सरकार ने उनके लिए तृतीय और चतुर्थ श्रेणी के पदों के 28 प्रतिशत पद आरक्षित किए हैं । छछरोली में 32 विधवाओं के लिए एक सैनिक परिवार भवन का निर्माण पहले ही किया जा चुका है । इस भवन में 32 सैटों का एक अन्य ब्लाक भी बनाया जा रहा है ताकि सैनिकों की निराश्रित, उपेक्षित या अन्य परिस्थितिग्रस्त विधवाएं वहाँ रह सकें और किसी प्रकार की दस्तकारी सीख सकें । इसके परिसर में स्थापित वर्कशाप एवं प्रशिक्षण केन्द्र में इन विधवाओं को विभिन्न व्यवसायों एवं दस्तकारियों का प्रशिक्षण देने की व्यवस्था है । यह भी निर्णय किया गया है कि सशस्त्र सेनाओं के जिन कर्मचारियों की मत्यु युद्ध में नहीं होती परन्तु सेवावधि के दौरान ही जिनका देहान्त हो जाता है, उनकी विधवाओं को हरियाणा प्रतिरक्षा तथा सुरक्षा राहत निधि में से पेन्शन दे दी जाए । सशस्त्र सेनाओं के ऐसे कर्मचारी भी इस स्कीम के अन्तर्गत पैन्शन प्राप्त कर सकते हैं, जिन्हें शत प्रतिशत अशक्तता के कारण सेवा से पृथक किया जाता है' ।

समाज की आर्थिक स्थिति और विकास के सम्बन्ध में पहले कहे गये उपायों से हरियाणा एक कल्याणकारी राज्य बनने की दिशा में निरन्तर आगे बढ़ता चला आ रहा है । इस कल्याणकारी राज्य में समाज के सभी वर्गों को सामाजिक न्याय और आर्थिक स्वतन्त्रता प्राप्त होगी । यद्यपि राज्य के साधन सीमित हैं और भविष्य में किए जाने वाले काम बहुत हें और ये काम कठिन भी हैं तथापि .हमारी पिछली सफलताएं मंगलमय एवं समृद्ध भविष्य की द्योतक हैं । राज्य. के लोगों ने विभिन्न कार्यक्रमों को मूर्त रूप देने के लिए सरकार को पूर्ण सहयोग दिया है । मुझे विश्वास हूँ कि राज्य कठोर परिश्रम की भावना के प्रति निरन्तर जागरूक रहेगा तथा विकास के क्रमिक सोपान पार करता रहेगा । '

आप लोगों पर नीतियां बनाने और राज्य की विभिन्न विकासात्मक गतिविधियों का पथ–प्रदर्शन करने एवं उनका जायजा लेते रहने का उत्तरदायित्व है । अब आप लोग महत्वपूर्ण कार्य में व्यस्त हो जाएंगे जिसमें सरकार के आगामी वर्ष के बजट प्रस्ताव भी शामिल हैं । मुझे विश्वास है कि आप विभिन्न विषयों पर उपयोगी एवं रचनात्मक विचार– विमर्श करेंगे । मैं आपको अपनी शुभकामनाएं प्रस्तुत करता हूं, और प्रार्थना करता हूं कि नव वर्ष आपके तथा राज्य के निवासियों के लिए मंगलमय एवं समृद्धिशाली होवे ।

जय हिन्द! ''

अध्यक्ष द्वारा घोषणाएं

(i) सभापतियों की तालिका

Mr. Speaker : Under Rule 13(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, I nominate the following Members to serve on the Panel of Chairmen :-

1. Rao Nihal Singh ;
2. Rao Dalip Singh ;
3. Chaudhri Ishwar Singh ; and
4. Chaudhri Manphul Singh.

(ii) याचिका समिति

Mr. Speaker : Under Rule 286(1) of the Rules of Procedure and Conduct of Business in the Haryana Legislative Assembly, **I** nominate the following members to serve on the Committee on Petitions :-

1. Shrimati Lekhwati Jain (Deputy Speaker) Ex-officio Chairman;
2. Rao Dalip Singh ;
3. Shri Gulab Singh Jain ;
4. Chaudhri Phool Chand (Rohat) ; and
5. Chaudhri Phool Chand (Mullana).

अनुपस्थिति की अनुमति

Mr. Speaker : I have received an application from Chaudhri Dal Singh, M.L.A., asking for leave of absence from the House because he is unable to attend this Session as he has been detained in district jail, Rohtak under MISA.

Mr. Speaker : Question is-

That permission for leave of absence be granted.

The motion was carried.

Mr. Speaker : Similarly, I have received an :application from Chaudhri Hardwari ,L2.1,:' M.L.A., asking for leave of-Absence from the House because he is unable to attend this Session as he-has been detained in district jail 'Rohtak under MISA.

Transport Minister (Shri K.L. Poswal) : He is not a member of the House.

Mr. Speaker : He is a member as the stay has been granted by the High Court.

Mr: Speaker : Question is-

-That permission for leave of absence be granted.

-The motion was lost.

-Mr.-Speaker : I have -received an application from Chaudhri Har "Swarup Bata, M.L.A., asking for leave of absence from the'House because he is unable to attend this Session as he has been confined in.district jail Rohtak under

sections 107 arid 151 Cr.'P;C.

Mr:Speaker : Question is-

That permission for leave of absence be granted.

The motion was carried.

Mr.Speaker : I have received an application from Chaudhri Chand Ram asking for leave of absence from the House because he is unable to attend this Session as he has been detained in district Jail, Karnal.

"**Mr. Speaker :**Question is—

That permission for leave of absence be granted.

The motion was carried.

सचिव द्वारा घोषणा

Mr. Speaker : Now,'Secretary to make some announcements.

Secretary : Sir, I beg-to-lay on the Table of the House a statement showing the Bills which were passed by the Haryana Legislative Assembl during- its Sessions held -in july and August,_1975 and have since been assented to by the Governor/*President.

STATEMENT

July Session, 1975.

1. The Punjab Land Revenue (Haryana

Amendment) Bill, 1975.

2. The Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Amendment) Bill;1975.

3. The Haryana Prevention of Beggary (Amendment) Bill, 1975. *4. The Punjab State Aid to Industries (Haryana Amendment) Bill, 1975.

August Session, 1975.

1 The Haryana Legislative Assembly (Allowances of Members) Amendment Bill, 1975.

2. The Rohtak University Bill, 1975.

3. The Haryana Relief of Agricultural Indebtedness Bill, 1975.

4. The Haryana Legislative Assembly (Allowances of Members) Second Amendment Bill, 1975.

शोक प्रस्ताव

Mr. Speaker : Obituary References.

मुख्य मन्त्री (श्री बनारसी दास गूप्त) : अध्यक्ष महोदय, आप जानते हैं कि काल का चक्र अनवरत गति से घूमता रहता है और इस चक्र में जहाँ अनेक लोग आते हैं वहाँ हमारे देश के कई महान नेता और सपूत भी काल के शिकार हो जाते हैं । पिछले सत्र से अब तक के सउ की अवधि में भी हम अपने एक महान नेता को अपने बीच से गंवा बैठे । आप सब जनते हैं कि 2

अक्तूबर, 1975 को हमारे देश के एक महान सपूत श्री कुमार स्वामी कामराज का निधन हो गया । श्री कामराज का जन्म 1903 में तमिल नाडु में हुआ । जब वे 16 साल के ही हुए थे तो राजनीति में हिस्सा लेना शुरू कर दिया और अध्यक्ष महोदय, यह तो आप जानते ही हैं कि उस जमाने में राजनीति में हिस्सा लेना कोई आसान बात नहीं होती थी । वे एक महान स्वतन्त्रता सेनानी थे और उन्होंने देश की आजादी हासिल करने के लिए महान संघर्ष किया । कई बार जेल में गए और अपनी जवानी को जेल में बन्द करके देश की बलिवेदी पर बलिदान कर दिया । श्री कामराज जहां स्वतन्त्रता सेनानी थे, वहां वे –देश के निर्माण में भाग लेने वाले लोगों में भी सबसे आगे थे । पहली बार 1940 में, जब वे तामिल– नाडु प्रदेश कांग्रेस के प्रधान बने तो दुनिया की नजरें उन पर टिकी । उसके पश्चात वे तमिल– नाडु प्रदेश के, जिसको उन दिनों मद्रास कहा जाता था, मुख्य मन्त्री बने । उन्होंने मुख्य मन्त्री के रूपमें अपने प्रदेश का जितना निर्माण किया, उस बात को आज तक भी वहां की जनता भुल नहीं पाई और उन्होंने साबित किया अपने जीवन से, कि वे बहुत कम शिक्षित थें, ज्यादा पढ़े लिखे व्यक्तियों में नहीं थे, लेकिन इसके बावजूद भी उनका दृ ष्टिकोण बड़ा रचनात्मक था बड़े काम करने वाले थे, देश की जलता के प्रति उनका बड़ा भारी योगदान था । आपने और हमने यह भी देखा कि एक रोज वे हिन्दुस्तान की एक महान राजनैतिक संस्था, कांग्रेसके अध्यक्ष बने और कांग्रेस–अध्यक्ष के रूप में जो उन्होंने अपना कर्तव्य निभाया, जिस खूबसूरती के साथ, जिस

शानदार तरीके से निभाया, उस बात को कोई व्यक्ति भूल नहीं सकता ।

अध्यक्ष महोदय, श्री कमराज में एक विशेष गुण था कि वे बोलते बहुत कम थे और काम अधिक करते थे । यह इस बात से साबित होता है कि जो लोग ज्यादा बोलते हैं, ज्यादा बातें करते हैं, वे इतना अधिक काम नहीं कर पाते । कामराज जी ने अपने जीवन में अनेक प्रकार के शानदार काम इस देश को ऊंचा उठाने के लिए, इस देश की जनता के हित में किए । उन का एक शानदार कार्य, 'कामराज योजना' के नाम से आज तमाम हिन्दुस्तान में प्रसिद्ध है और हिन्दुस्तान के राजनीतिक इतिहास में 'कामराज योजना' हमेशा याद रहेगी । जिस प्रकार उन्होंने पद–प्रलोभन को त्याग कर पार्टी के हित में, देश के हित में, काम करने को प्राथमिकता दी और सबसे. पहले उन्होंने अपना उदाहरण पेश किया कि उन्होंने मुख्य मन्त्री पद से इस्तीफा दिया और कांग्रेस दल का काम अपने जिम्मे लेकर बड़े सुचारू ढंग से चलाया और उस योजना को सारे हिन्दुस्तान में लागू किया । हमारे स्वर्गीय प्रधान मन्त्री पंडित जवाहर लाल नेहरू जी ने भी इसकी सराहना की और हिन्दुस्तान के दूसरे नेताओं ने भी उनके उदाहरण का अनुकरण किया । अध्यक्ष महोदय, आखिरी दिनों में हमारे महान नेताओं में कुछ मतभेद भी पैदा हुए और उस मतभेद के कारण आप जानते हैं कि कांग्रेस जैसी महान राजनीतिक संस्था का विभाजन भी हुआ । श्री कामराज जी संस्था के एक भाग की

तरफ गये । लेकिन मैं इस बात को महसूस करता हूँ, और मैं ही नहीं बल्कि हमारे देश के लाखों करोड़ों व्यक्ति इस बात को महसूस करते हैं कि कांग्रेस के इस विभाजन से वह बड़े भारी दु:खी थे । वह खुश नहीं थे और उन की यह हार्दिक इच्छा थी कि किसी प्रकार से कांग्रेस के ये दो भाग फिर आपस में मिल जायें ताकि इसकी शक्ति देश का निर्माण करने में अधिक हो जाये, और अन्तिम समय तक उनकी यह भावना थी, उनकी यह कामना थी । मुझे. इस बात की बड़ी भारी खुशी है कि उनके स्वर्गवास हो जाने के बाद, उनकी भावना की, इस कामना की कदर करते हुए तमिलनाडु कांग्रेस के दोनों अंगों ने एक होकर चलने का फैसला किया है । आज भी आपने समाचार–पत्रो में और रेडियो पर यह बात सुनी होगी कि वहां की कांग्रेस (संगठन) के जो अध्यक्ष है, उन्होंने विलय की बात स्वीकार कर ली है और आशा है कि बहुत शीघ्र ही वहाँ कांग्रेस (संगठन) और कांग्रेस दोनों मिलकर एक जमात बन जायेगी और मैं समझता हुँ कि यह बात सुनकर स्वर्ग. में गयी हुई उनकी आत्मा को भी बड़ी भारी प्रसन्नता होगी ।

इन शब्दों के साथ मैं उस महान नेता की दिवंगत आत्मा के प्रति संवेदना प्रकट करता हूँ और भगवान से यह प्रार्थना करता हुं कि वह उनकी आत्मा को शान्ति प्रदान करे । मैं इस सदन से भी यह प्रार्थना करता हूँ कि हमारी जो यह भावना है,

यह उनके परिवार, उनके मित्रो, उनके सम्बन्धियों और उन लाखों करोड़ों लोगों तक जो उनके प्रशंसक है, प्रेरित कर दी जाये ।

चौधरी प्रताप सिंह दौलता (बेरी) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, जब पंडित जवाहर लाल नेहरू तालीम हासिल करके हिन्दुस्तान आये और हिन्दुस्तान की पालिटिक्स में दिलचस्पी ली, उस जमाने में सत्यमूर्ति जी मद्रास के, दुनिया भर के बैस्ट पार्लियामैंटेरियन माने जाते थे और उनका नाम ही सत्यमूर्ति की बजाय सप्लीमैंटेरियन रखा हुआ था । जब वह सवालात की बौछार डालते थे .तो उस जमाने में ज्यादातर कौंसिलर जो अंग्रेज हुआ करते थे, थर–थर कांपते थे, वे इलाहाबाद आने के बाद सीधे उनके पास गये । वे उनके बंगले के अन्दर जैसे यूरोप में होता है, सो रहे थे । उनकी नींद कच्ची थी । वह थोड़ी देर केबाद जागे । जागने की वजह पता लगी कि कोई आदमी बाहर बराण्डे में चटाई पर लेटा खरांटे मार रहा है और उसके खराटो की वजह से वे जागे हैं । उन्हेंने सत्यमूर्ति जी से कहा कि या तो इस आदमी को मकान से निकाल दिया जाये या फिर मेरी चारपाई ही दूर लगा दो । वह आदमी था श्री कामराज । सत्यमूर्ति जी ने कहा किये हमारे वर्कर हैं । सुबह उन्होंने उन वर्कर्ज को देखा । रिक्शा, जो इस जमाने में पैरों से चलती है, उस जमाने में हाथ से चलाते थे । उन्होंने देखा कि एक रिक्शा वाला कांग्रेस का लिट्रेचर अपनी रिक्शा में डालकर ले जाता और उसको बेचता । सत्यमूर्ति जी के बराण्डे में ही उनकी तालीम शुरू हुई । उन्हेंने

कोई मदरसा नहीं देखा । मुबारक है उस आदमी को, उस वर्कर को जो इतना ऊँचा उठकर अपने देश की सेवा करता है और मुबारक है उस संस्था को जिसका एकवर्कर इतना ऊँचा उठकर इतनी ऊँचाई तक पहुंच सकता है । यह हर संस्था का काम नहीं है कि उसका एक वर्कर इतनी ऊँचाई तक पहुँच जाये ।

अभी–अभी राव निहाल सिंह जी को याद होगा, हम मद्रास गये थे । कामराज जी कितने महान आदमी थे, मैं ज्यादा पालिटिक्स में न जाते हुए सिर्फ इतनी सी बात कहूँगा कि वे ऐक्चुअली औनैस्ट थे इस बात में कि साउथ इंडिया में जो ऐण्टी हिन्दी या ऐण्टी आर्यन या ऐण्टी दिल्ली फीलिंग है, वे उसको ईमानदारी से लड़ना चाहते थे । कांग्रेस (आर) ने डी0 एम 0 के0 से समझौता कर लिया कि सैटंर में पार्लियामैंट की सीटें हमें दे दो और स्टेट असैम्बली की सीटें आप ले लो लेकिन कामराज ने कभी यह नहीं माना और समझौता नहीं किया । उन्होंने कहा कि ये देशद्रोही हैं । इनसे मेरा समझौता नहीं हो सकता । उनकी मौत पर जो जलूस इकट्ठा होता है, उसको देखकर करुणानिधि मजबूर हो जाता है, सिर झुका देता है और कहता है कि इधर तोडी 0 एम0 के 0 के फाउन्डर की यादगार है, आगे चलकर श्री राधाकृष्णन की यादगार है, बीच में जो जगह है उस पर उनकी यादगार 25 लाख रुपये खर्च होकर बनेगी–उस आदमी केलिये जो डी0 एम० के ० का जानी दुश्मन था । यह उस इन्सान की अजमत और उसका बडप्–पन है । तमाम मद्रास में जिसको हम तमिलनाडु

कहते है कितने ही ट्रक उलटे, कितनी ही लारिया उलटीं जो तमाम की तमाम जलूस के लिये जा रही थीं । हमारी प्रधान मंत्री वहां पहुंची । करुणानिधि जी वहाँ थे । उनका यह हुक्म था कि देश को मजबूत करने के लिये .सारे कांग्रेस (आर) में चले जाओ । इतने बड़े महापुरुष का हुक्म कोई मानता हो या न हो मगर मैं तो उसके लिये अर्जी दिये बैठा हूँ, कोई हमें ले या न ले ।

चौधरी शिव राम वर्मा (नीलोखेडी) : आदरणीय अध्यक्ष महोदय, श्री कामराज जी के बारे में सबसे पहली बात जो मैं समझता हूँ वह यह है कि उनके अन्दर ईमानदारी और अपनी आत्मा की आवाज को सुनने की योग्यता थी । उसी के कारण से वह एक साधारण कार्यकर्त्ता से उठकर बहुत बड़े–बड़े पदों पर रहे । इससे ऐसा लगता है कि थोड़ा शिक्षित आदमी भी उच्च पदों का काम चला सकता है । केवल शिक्षा ही एक ऐसी योग्यता नहीं है जिसके बिना आदमी आगे न चल सके । थोड़े शिक्षित होते हुए भी उन्होंने हर मैदान में दूसरे शिक्षित लोगों को मात दी, यह उनका सबसे पहला गुण था और इसी कारण से उनको सारे देश में मान मिला । जब उनकी आत्मा ने यह माना कि मैंने रूलिंग कांग्रेस से दूर रहना है तो वह उसके बाद सारी उमर दूर रहे बेशक बीच में दूसरी बातें चलती रहीं । अब उनके मरने के बाद तो पता नहीं लोग क्या–क्या कहेंगे और क्या–क्या सोचेंगे लेकिन उनकी अपनी आत्मा इतनी बलवान थी कि वह उसको दबा

नहीं सके और उसको दबाकर उसके विरूद्ध नहीं चल सके, जा नहीं सके । इसी गुण के कारण से उन्होंने इतना मान पाया । वे पद जिसके लिये लोग इतना मारे–मारे फिरते हैं, उनको अपने आप मिलते रहे और बड़ी आसानी से मिलते रहे । यदि वह कर्मठता जो उनमें थी, सभी लोगों में आ जाये तो देश का पता नहीं क्या से क्या बन जाये । इसलिये हमारा यह कर्तव्य हो जाता है कि हम उनके जीवन से शिक्षा लें और शिक्षा लेकर अपने देश की सेवा करें । इन शब्दों के साथ मैं उनको श्रद्धांजलि भेंट करता हूँ ।

श्रीमती लेखवती जैन (अम्बाला) : जनाब स्पीकर साहब, आज मैं समझती हूँ कि हमारे सारे देश के लिये अफसोस की बात है कि हमारे दरम्यान श्री कामराज जी नहीं हैं । जहाँ तक मेरा सम्बन्ध. है, मैंने तो उनका नाम उसी वक्त सुना था जब 'कामराज प्लान' लागू हुई और उसके तहत जहाँ सैटंर के बहुत से मिनिस्टर बदले, छोटी मिनिस्ट्री हुई, वहां पंजाब के अन्दर भी सरदार प्रताप सिंह कैरों ने अपनी मिनिस्ट्री को बहुत छोटा बनाया । जनाब अभी हमारे मुख्य मंत्री जी ने जो बात कही है, वाकई उसमें सच्चाई है कि बेशक कामराज जी कांग्रेस (आर) से अलग हो गये थे मगर उनका दिल अलग नहीं हुआ था । उनकी मिलाने की कोशिशें जारी थीं । अगर वह थोड़े दिन और जिन्दा रह जाते तो मैं समझती हूँ शायद सारी कांग्रेस 'ओ' को ही 'आर' में मिलाकर पहले की तरह से एक कांग्रेस कर देते । ऐसा मैं

समझती हूँ और मेरा यकीन है कि ऐसा होता । इसके अलावा, जिस वक्त वह इंडियन नैशनल कांग्रेस के प्रैजीडैटं बने तो उनको बहुत अच्छी हिन्दी भी नहीं आती थी और बहुत अच्छी इंगलिश भी नहीं आती थी । प्रैजीडैट बनने के बाद सबसे पहले जब वह चंडीगढ़ आये तो मैंने भी उनका भाषण सुना । उनके दिल की भावना ऐसी थी कि प्रत्येक व्यक्ति उनके बोलने के बाद यह कहता था कि बहुत अच्छा कहा । जनाब स्पीकर साहब, आज उनके न होने से वाकई में हमें दुःख है और जहाँ तक मेरी याददाश्त काम करती है जिस वक्त वह हमारी इंडियन नेशनल कांग्रेस के प्रैजीडैट थे और जिस वक्त श्री लाल बहादुर शास्त्री का निधन हुआ और उसके बाद इंडिया के प्राईम मिनिस्टर बनाने का सवाल पैदा हुआ तो उन्होंने सबसे पहले हमारी प्रधान मन्त्री श्रीमती इन्दिरा गांधी के सर के उपर हाथ रखा, उन्होंने श्रीमती इन्दिरा गांधी का नाम प्रोपोज किया कि भारत की प्राइम मिनिस्टर जवाहर लाल नेहरू की सुपुत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी होनी चाहिए । श्री कामराज यह चाहते थे कि दोनों कांग्रेस एक हो जाएं । कांग्रेस (ओ) और कांग्रेस (आर) एक हो जाएं । स्पीकर साहब, जिस वक्त उनकी मत्यु की खबर आई और अगले दिन जब मैंने यह पढ़ा कि इस तरह दुनिया रो रही थी और महसूस कर रही थी तो मैं भी अखबार पढ़कर रोने लगी । जब मेरा लड़का आया तो वह कहने लगा कि आप रो क्यों रही हैं तो मैंने अपनी जबान से कुछ नहीं कहा । मैंने उन लाइनों के ऊपर अपना हाथ रख दिया और कहा कि यह वजह है मेरे रोने की और इस चीज का मुझे दुःख है । औरतों का दिल

कच्चा होता है और वे ऐसी बात पढ़कर रोने लगती हैं । इसलिए मुझे भी रोना आया । मैं समझती हूँ कि सारे देश ने उसी तरह उनकी मृत्यु को महसूस किया होगा जिस तरह से मैंने उनके निधन को महसूस किया । इतना कहकर मैं श्री कामराज को श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ ।

माल मन्त्री (पंडित चिरंजी लाल शर्मा) : स्पीकर साहब, श्री कामराज की जिन्दगी की एक झलक थी उनकी कुव्वते इरादी और मुझे याद है वह वक्त जब कि हरियाणा के वजूद में आने से पहले और सरदार प्रताप सिंह की मृत्यु के बाद कामरेड रामकृष्ण पंजाब के मुख्य मन्त्री बने थे तो कांग्रेस में कुछ लोग चाहते थे कि कामरेड रामकृष्ण को मुख्य मंत्री के पद से हटाया जाए । उस वक्त कांग्रेस के मैम्बरान की खासी तादाद कामराज के पास गई और यह इरादा लेकर गई कि श्री कामराज से यह इजाजत ली जाए कि कामरेड रामकृष्ण के खिलाफ नो–कांफीडेन्स मोशन मूव किया जाएऋ । इन लोगों को देखकर श्री कामराज ने एक फिकरा कहा–"There will be one Krisnna : either RadhaKrishana or Rama Krishana-" श्री राधाकृष्णन उस वक्त राष्ट्रपति थे देश के और कामरेड रामकृष्ण पंजाब के मुख्य मंत्री थे । या तो राष्ट्रपति राज्य होगा या कामरेड रामकृष्ण रहेगा । Brevity is the sould of wit वाली बात आ गई और वे लोग अपना मुंह लेकर आ गए । स्पीकर साहब मुझे इतने ही शब्द उनके बारे में कहने थे ।

चौधरी फूल चन्द मुलाना (अनुसूचित जाति): अध्यक्ष महोदय, सदन के नेता ने जो शोक प्रस्ताव हमारे सामने रखा है, मैं भी अपने आपको उससे सम्बन्धित करता हूं । श्री कामराज के जीवन के बारे में बहुत से सदस्यों ने पूर्णतौर से बताया है लेकिन मुझे सब से ज्यादा जो बात उनके जीवन के बारे में कहनी है वह यह है कि वह गरीब परिवार से सम्बन्धित थे और उनका जीवन भर यही उपदेश रहा कि गरीबों की भलाई करो और गरीबों के लिए काम करो । हमने उनके प्रान्त में जाकर देखा है कि वे वहां की जनता के बेताज बादशाह थे। उनकी विचारधारा को लेकर हमारी कांग्रेस पार्टी ने और हमारी प्रधान मंत्री श्रीमती इन्दिरा गांधी ने अपने बीस सूती कार्यक्रम के अन्दर उस विचारधारा को शामिल किया हूँ । स्पीकर साहब मैं उनके विषय में ज्यादा न कहते हुए यह बात जरूर कहूंगा कि हमको उनके बताए हुए रास्ते पर चलना चाहिये । यही हमारी उनके प्रति सब से बड़ी श्रद्धांजलि है ।

श्री के ० एन० गुलाटी (फरीदाबाद) : स्पीकर साहब, दो मिनट में मैं भी श्री कामराज के प्रति अपनी श्रद्धाजलि अर्पित करना चाहता हूं । मैं सिर्फ इतना ही कहना चाहता हूं कि आज भारत में ही नहीं बल्कि सारे संसार में स्वर्गीय कामराज का नाम अमर है और इसका असली कारण यही है कि स्वर्गीय कामराज जीवन भर ईमानदार, सच्चे, मेहनती, डिस्पिलिन्ड और पंकचुयल रहे । इन अच्छाइयों को अपनाकर उन्होंने यह दिखा दिया कि इनमें

कितना आनन्द है । हमारी प्रधान मंत्री महोदया ने भी उनकी इन बातों को अपने 20 सूती कार्यक्रम में अपनाया है और अपने जीवन का लक्ष्य बनाया है । स्वर्गीय कामराज एक ऊँचे नेता और एक अच्छे इन्सान थे और मैं तो यह कहूंगा कि उनके नाम के साथ एक ऋषि या देवता का नाम जोड़ दिया जाए तो यह बड़ी अच्छी भावना होगी । इन शब्दों के साथ मैं श्री कामराज के प्रति श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए इतना कहना चाहता ह कि जो पुकार, जो ललकार श्री कामराज की थी वही पुकार और ललकार हमारी प्रधान मंत्री की है और सच्चाई, ईमानदारी, डिस्पिलिन, पंकचुऐलिटी इन चीजों को अगर हम अपने जीवन में अपना ले तो दुनिया हमें याद रखेगी । श्री कामराज के अन्दर अच्छाईयां थी और उन्होंने जीवन में कोई गल्ती नहीं की तभी तो आज हरियाणा विधान सभा के अन्दर उनको याद किया जा रहा है । इन शब्दों के साथ– मैं एक बार फिर उनको श्रद्धा जलि अर्पित करता हूं ।

चौधरी पीर चन्द (बरवाला–अनुसूचित जाति) : अध्यक्ष महोदय, श्री कामराज जो भारतवर्ष के एक बहुत बड़े नेता थे उनकी मृत्यु से सारे देश के अन्दर एक दु:ख की लहर फैली थी । श्री कामराज एक गरीब परिवार से सम्बन्ध रखते थे । गरीब परिवार से सम्बन्धित .होने के साथ–साथ वे हरिजन परिवार से सम्बन्ध रखते थे (एक आवाज वह हरिजन नहीं थे) (व्यवधान) । वे बहुत ही सूझबूझ वाले इन्सान थे । मुझे भी एक–दो बार उनसे मिलने का मौका मिला । उनकी थोड़ी सी बात के अन्दर

बहुत ऊंचे विचार छिपे रहते थे । जब कांग्रेस सक थी उस समय वे इसके अध्यक्ष थे । वे तमिलनाडु, के मुख्यमंत्री भी रहे । उस इलाके के लोग और भारतवर्ष के लोग उनको बहुत अच्छी तरह से जानते हैं । पंडित जवाहर लाल नेहरू श्री कामराज को बहुत मानते थे और पंडित जी. ऐसा समझते थे कि श्री कामराज बहुत समझदार व्यक्ति हैं और जब भी कोई समस्या आती थी तो श्री कामराज की राय लेते थे । चीन के साथ जब हमारी लडाई हुई उस वक्त भी पंडित जी ने उनसे सलाह ली । एक ऐसा समय भी आया जब प्रान्तों मैं और सेन्टर में मिनिस्टरों की भरमार थी उस समय अरी कामराज की राय से 'कामराज प्लान' चलाया गया । उनकी अच्छी बातों को लेकर नेहरू जी ने जो काम किये, वे देश की भलाई के लिये सिद्ध हुए । कहने का मतलब यह है कि कामराज जी की सारी की सारी बातें किसी न किसी अच्छाई के लिये ही होती थीं । आज कांग्रेस पार्टी दो हिस्सों में बंट चुकी है । एक त रफ कांग्रेस (ओ) है और दूसरी तरफ कांग्रेस (आर) है । अगर श्री कामराज जी आज जिन्दा होते तो अवश्य ही इन दो पार्टियों को एक करने में समर्थ होते और इससे देश की भलाई होती ।

16.00 बजे

स्पीकर साहब, श्री कामराज जी बडे उच्च कोटि के विद्वान् थे, ज्ञानी थे, मैं बजे उनका आदर करता हूं और इन

शब्दों के साथ मैं उनके कदमों में अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हुं ।

Mr . Speaker : Hon'ble Members, I fully associate myself with the deep feelings that have been expressed about the passing away of Shri K. Kamaraj, former President of the Indian National Congress. He was a member of the old guard and a veteran freedom fighter. His services to Tamil Nadu as its Chief Minister for a number of years and later as President of the All India Congress Committee will always be gratefully remembered by the nation. He was also a member of the Lok Sabha. He was a true Gandhian and his s simplicity and honesty would always Serve as a guide to the politicians of this country. In his death, the country has suffered an irreparable loss. I shall no doubt convey the sympathies of the House to the bereaved family.

Now I request you to observe silence for two minutes while standing as a mark of respect to the deceased.

(The House stood in silence for two minutes as a mark of respect to the memory of the deceased).

Mr. Speaker : Papers to be laid.

चौधरी शिव राम वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैं आपके द्वारा मुख्य मन्त्री महोदय से एक निवेदन करना चाहता हूं कि वे भी अभी नये–नये मुख्य मन्त्री बने हैं और साल भी नवा चढा है और बजट सैशन भी चल रहा है, इसलिये मेरा निवेदन है कि जो लोग गिरफ्तार किये गये हैं उनको रिहा किया जाए ताकि सभी एम0

एल0 एज और एम 0 पीज 0 इस सैशन में भाग ले सकें । अगर मुख्य मन्त्री ऐसा कर दें तो बहुत अच्छी बात होगी ।

Mr. Speaker : Order, order please. This is no point of order.

चौधरी शिव राम वर्मा : अध्यक्ष महोदय, मैंने प्वांयट आफ आर्डर नहीं किया है । मैंने तो केवल निवेदन किया है ।

मुख्य मन्त्री (श्री बनारसी दास गुप्त) : वर्मा साहब, यह बात हम अलग बैठकर कर लेंगे, यहां करने की नहीं है ।

सदन के मेज पर रखे गए कागज–पत्र

Revenue Minister (Pandit Chiranji La I Sharma) : Sir, I beg to lay on the Table-

1. The Punjab Betterment Charges and Acreage Rates (Haryana Repealing) Ordinance, 1975 (Haryana Ordinance No. 5 of 1975).

2. The Punjab Agricultural Produce Markets (Haryana Amendment and Validation) Ordinance, 1975 (Haryana Ordinance No. 6 of 1975).

3. The Punjab Co-operative Societies (Haryana Amendment) Ordinance, 1975 (Haryana Ordinance No. 7 of 1975).

4. The Transport Department's Notification No. G.S.R. 122/C.A.4/39/S.70/ Amd. (2)/75, dated the 10th October, 1975, regarding the Punjab Motor Vehicles (Haryana

Second Amendment) Rules, 1975, as required under Section 133 (3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

5. The Education and Languages Department Notification No. 12333-Edu/ LG.75/42296, dated the 26th December, 1975, issued under Section 3 of the Haryana Official Language Act, 1969, as required by section 7 ibid.

6. The General Administration Department's Notification No. G.S.R. 177/Const./Art. 320/Amd.(5)/75, dated the 5th December, 1975, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Fifth Amendment Regulations, 1975, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

7. The 8th Annual Report of the Haryana Financial Corporation for the year ended on 31st March, 1975, as required under Section 38(3) of the State Financial Corporation Act, 1951.

8. The 7th Annual Report of the Haryana State Industrial Development Corporation Ltd., for the year ended on 31st March, 1974, as required under Section 619-A(3) of the Companies Act, 1956.

9. The 6th Annual Report of the Haryana Warehousing Corporation for the year 1972-73 as required under Section 31(11) of Warehousing Corporation Act, 1962.

10. The Annual Financial Statement (Budget Estimates) for the year 1975-76 and Revised Estimates for the year 1974-75 of the Haryana State Electricity Board, as required under Section 61 of the Electricity (Supply) Act,

1948.

11. The Excise and Taxation Department's Notification No. G.S.R. 160/H.A. 20/73/S.64/75, dated the 21st November, 1975, regarding the Haryana General Sales Tax Rules, 1975, as required under Section 64(3) of the Haryana General Sales Tax Act, 1973.

12. The Social Welfare Department's Notification No. G.S.R. 91/H.A. 9/ 71/S. 31/72, dated the 28th April, 1972, regarding the Haryana Prevention of Beggary Rules, 1972, as required under Section 31(4) of the Haryana Prevention of Beggary Act, 1971.

13. The Housing Department's Notification No. G.S.R. 90/H.A.20/71/S. 73/ 75, dated the 25th July, 1975, regarding the Housing Board, Haryana (Execution of Agreement) Rules, 1975, as required under Section 73(3) of the the Haryana Housing Board Act, 1971.

सदन के मेज पर पुःन रखे गए कागज–पत्र

Revenue Minister (Pandit Chiranji Lal Sharma) : Sir, I beg to relay on the Table.-

1. The Co-operation Department's Notification No. G.S.R.57/P.A. 25/61/ S. 85/Amd.(1)/ 75, dated the 11th June, 1975, regarding the Punjab Co-operative Societies (Haryana First Amendment) Rules, 1975, as required under Section 85(3) of the Punjab Co-operative Societies Act, 1961.

2. The Home Department's Notification No. G.S.R.43/H.A. 35/73/S. 25/ Amd.(1)/75, dated the 1(0 April,

1975, regarding the Haryana Requisitioning and Acquisition of Immovable Property (First Amendment) Rules, 1975, as required under Section 25(3) of the Haryana Requisitioning and Acquisition of Immovable Property Act, 1973.

3. A copy of the Health Department's Notification No. G.S.R.2/P.A. 16/ 65/S. 53/75, dated the 8th January, 1975, regarding the Haryana Homoeopathic Practitioners (General) Rules, 1975, as required under Section 55 of the Punjab Homoeopathic Practitioners Act, 1975.

4. The Transport Department's Notification No. G.S.R.34/C.A.4/39/Ss 24 and 41/75, dated the 4th April, 1975, regarding the Punjab Motor Vehicles (Haryana 1st Amendment) Rules, 1975, as required under Section 133(3) of the Motor Vehicles Act, 1939.

5. The General Administration Department's Notification No. G.S.R. 8/Const./Art. 320/Amd. (3)/75, dated the 17th January, 1975, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Third Amendment Regulations, 1975, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

6. The General Administration Department's Notification No. G.S.R. 15/ Const./Art. 320/Amd.(4)/75, dated the 10th February, 1975, regarding the Haryana Public Service Commission (Limitation of Functions) Fourth Amendment Regulations, 1975, as required under Article 320(5) of the Constitution of India.

7. The Housing Department's Notification No. G.S.R.88-/HA-20/71/S. 73/75, dated the 25th July, 1975,

regarding the Housing Board, Haryana (Conditions of Service of the Chairman and Members) Amendment Rules, 1975, as required under Section 73(3) of the Haryana Housing Board Act, 1971.

Mr. Speaker : The House stands adjourned till 2.00 p.m. tomorrow.

16.11 बजे

(The Sabha then *adjourned till 2.00 p.m. on Tuesday, the 13th January, 1976)